Nai Dunia, 04th April 2017, Page – 02

आईआईटी इंदौर देश का 24वां बेस्ट एजुकेशन इंस्टिट्यूट तो यूनिवर्सिटी कैटेगरी में डीएवीवी टॉप-150 में शामिल

एमएचआरडी की रैंकिंग

आईआईएम इंदौर 10वें नंबर पर बरकरार, होलकर साइंस कॉलेज को 100 से 150 के बीच रैंकिंग

भास्कर संवाददाता | इंदौर

केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) ने सोमवार को देश के टॉप एजुकेशन इंस्टिट्यूट की जो रैंकिंग जारी की है, उसमें आईआईटी इंदौर ओवरऑल टॉप-25 में रहा। उसे 24वीं रैंकिंग मिली। वहीं, सभी विश्वविद्यालयों में देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी 100 से 150 के बीच की कैटेगरी में है।

इसके अलावा इंदौर के ही होलकर साइंस कॉलेज को 100 से 150 के बीच रैंकिंग मिली है। यह प्रदेश का एकमात्र सरकारी कॉलेज है जो इस सूची में शामिल हो सका। डीएवीवी और होलकर कॉलेज दोनों के पास वर्तमान में नैक की ए ग्रेड है। प्रदेश की दो अन्य यूनिवर्सिटी विक्रम (उज्जैन), मेडिकैप्स (इंदौर) को भी टॉप-150 में जगह मिली है। डीएवीवी के ही स्कूल ऑफ फॉर्मेसी को कोर्स की कैटेगरी में 31वां स्थान मिला है।

100 फीसदी प्लेटमेंट से आईआईएम की पोजिशन रही बरकरार

मैनेजमेंट इंस्टिट्यूशंस की सूची में आईआईएम इंदौर को 10वें नंबर पर जगह मिली। पिछले साल भी वह 10वें नंबर पर था। 100 फीसदी प्लेसमेंट व आईपीएम (इंटिग्रेटेड प्रोग्राम ऑफ मैनेजमेंट) जैसे विशेष कोर्स के कारण संस्थान की साख बढ़ी है। हाल ही में यहां इन्क्यूबेशन सेंटर भी शुरू हुआ है। इससे आगामी समय में संस्थान टॉप-5 में शामिल हो सकता है।

इन मापदंड के आधार पर दी गई रैंकिंग

- टीचिंग लर्निंग एंड रिसोर्सेस।
- रिसर्च एंड प्रोफेशनल प्रैक्टिस।
- ग्रेजुएशन आउट कम।
- दूसरे राज्यों के छात्रों की संख्या।
- परफेक्शन।

इंजीनियरिंग संस्थानों में 15वें नंबर पर

इंजीनियरिंग संस्थानों की सूची में आईआईटी इंदौर को 15वां स्थान मिला है। वह पिछले साल 16वें नंबर पर था। 100 फीसदी प्लेसमेंट और नए भवन में शिफ्टिंग सहित क्वालिटी रिसर्च के कारण उसे एक पायदान का फायदा हुआ है। खास बात यह है कि आईआईटी इंदौर को यूनिवर्सिटी की ओवर ऑल कैटेगरी में देश में 24वां नंबर मिला है।

होलकर कॉलेज ने इन कारणों से बनाई जगह

- सरकारी कॉलेज होने के बाद भी प्रदेश में सर्वाधिक प्लेसमेंट।
- 5450 ज्यादा छात्र संख्या, इंटरनेशनल लेवल के 11 स्पेशल कोर्स और 85 से ज्यादा क्वालिटी फैकल्टी।
- 5 साल में शासकीय कॉलेज में रिकॉर्ड 500 स्टूडेंट्स जॉब दिलवाई।
- 100 रिसर्च पब्लिश किए गए दो साल में।
- 500 से ज्यादा छात्र अन्य शहरों, राज्यों के हर साल एडमिशन लेते हैं।

इन वजहों से डीएवीवी आया टॉप-150 में

- आईएमएस, आईआईपीएस, इकोनॉमिक्स और आईईटी जैसे विभागों में 60 फीसदी से ज्यादा औसत प्लेसमेंट
- आधुनिक रिसर्च लैब, स्टूडेंट फीडबैक सिस्टम को बड़ा कारण माना गया।
- हर साल यूटीडी में 3 हजार से ज्यादा नए एडमिशन में 400 से ज्यादा विद्यार्थी अन्य राज्यों के होते हैं।
- विभागों की आधुनिक बिल्डिंग, 90 फीसदी तक औसत रिजल्ट।
- शोधार्थियों की संख्या भी हर साल औसत 550 तक पहुंच गई है।
- 8 विभागों की लगभग 2400 सीटों के लिए होने वाली सीईटी के लिए 17 हजार आवेदन आना।
- एमबीए (एमएस, एचए और बीई) जैसे इंटरनेशनल लेवल के कोर्स की जबर्दस्त डिमांड।
- यूनिवर्सिटी के 28 टीचिंग विभागों में 55 प्रोफेसरों की आधुनिक रिसर्च, पेपर प्रेजेंटेशन।